१६ : भोर और बरखा

प्रश्नावली

<u>कविता से</u>

प्रश्न 1: 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?

प्रश्न 2: नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए-

'माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।'

प्रश्न 3. पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा ?

प्रश्न 5. पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

<u>कविता से आगे-</u>

प्रश्न 1. मीरा भक्तिकाल की प्रसिद्ध कवयित्री थीं। इस काल के दूसरे कवियों के नामों की सूची बनाइए तथा उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 2. सावन वर्षा ऋतु का महीना है, वर्षा ऋतु से संबंधित दो अन्य महीनों के नाम लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. सुबह जागने के समय आपको क्या अच्छा लगता है?

प्रश्न 2: यदि आपको अपने छोटे भाई-बहन को जगाना पड़े, तो कैसे जगाएँगे?

प्रश्न 3. वर्षा में भीगना और खेलना आपको कैसा लगता है ?

प्रश्न 4. मीरा बाई ने सुबह का चित्र खींचा है।अपनी कल्पना और अनुमान से लिखिए कि नीचे दिए गए स्थानों की सुबह कैसी होती है-

(क) गाँव, गली या मुहल्ले में
(ख) रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर
(ग) नदी या समुद्र के किनारे
(घ) पहाड़ों पर

भाषा की बात

प्रश्न 1. कृष्ण को 'गउवन के रखवारे' कहा गया है जिसका अर्थ है गौओं का पालन करनेवाले। इसके लिए एक शब्द दें।

प्रश्न 2: नीचे दो पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें से पहली पंक्ती में रेखांकित शब्द दो बार आए है, और दूसरी पंक्ति में भी दो बार। इन्हें पुनरुक्ति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(पुनः उक्ति) कहते हैं। पहली पंक्ती मे रेखांकित शब्द विशेषण हैं और दूसरी पंक्ती में संज्ञा।

'नन्हीं – नन्हीं बूंदन मेहा बरसे।'

'घर – घर खुले किंवारे'

इसी प्रकार दो-दो उदाहरण खोजकर वाक्य में प्रयोग कीजिए और देखिए कि विशेषण तथा संज्ञा की पुनरुक्ति के अर्थ में क्या अंतर है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर

<u>कविता से</u>

उत्तर 1- यहाँ पर माँ यशोदा कृष्ण जी को जगाने का प्रयास करती हैं । वे कहती हैं कि रात बीत गई है और सुबह हो गई है। बृज क्षेत्र के घर-घर में दही मथा जा रहा है और ग्वालिनों के कंगनों की झंकार फैल रही है। हर घर के दरवाज़ें पर साधु-संत खड़े हैं। सभी ग्वाल-बाल शोर मचाकर खेल रहे हैं और जयकार कर रहे हैं।

उत्तर 2- ऊपर दी गई पंक्तियों का अर्थ है- यशोदा माता के द्वारा नींद से उठाए जाने के बाद कृष्ण जी और अन्य ग्वालों ने अपने हाथ में खाने के लिए माखन और रोटी ले ली।

उत्तर 3- पद में ब्रज की सुबह का अत्यंत मनोहर वर्णन प्रस्तुत किया गया है। बृज क्षेत्र की भोर चहल-पहल और गतिशीलता से भरी हुई थी। भोर होते ही घर-घर के दरवाज़ें खुल जाते हैं और लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त हो जाते थे। गोपियाँ दही मथने लगती थी। उनके कंगनों की झंकार से ऐसा प्रतीत होता है मानो ब्रज की सभी गोपियाँ दही मथने की क्रिया में मग्न है। साधु-संत जन द्वार पर भीक्षा मांगने जाते हैं। ग्वालों के बच्चे खेलने-कूदने लगते थे। वे माखन रोटी खाते थे और जय-जय शब्दों का उच्चारण करते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 4- सावन का महीना आते ही आकाश में उमड़-घुमड़कर चारों दिशाओं से बादल आ गए, बिजली चमकने लगी, बूंदें बरसने लगी और ठंडी हवा चलने लगी। यह ऋतु उसे श्रीकृष्ण के आने का एहसास दिलाती है और उसके हृदय को हर्ष और उल्लास से भर देती है। इसलिए मीरा को सावन मनभावन लगता है।

उत्तर 5- सावन का दृश्य तथा अनुभव बहुत मनोहर होता है। सावन आते ही आसमान घने काले बादलों से घिर जाता है। सावन में बिजली चमकती है, बादल गरजते हैं। मनुष्य हो या पशु-पक्षी सभी का हृदय खुशी से झूम उठता है। नन्हीं-नन्हीं बूँदों से हमें शीतलता की अनुभूति होती है। सावन का महीना अपनी सुंदरता से मन को मुग्ध कर देता है।

<u>कविता से आगे-</u>

उत्तर 1- भक्ति काल के अन्य प्रसिद्ध कवि तथा उनकी रचनाएँ निम्नलिखित है:

1. तुलसीदास – रामचरितमानस
2. सूरदास – सूरसागर
3. कबीरदास - कबीर ग्रंथावली

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 2- सावन के अलावा आषाढ़ और भादो महीना बर्षा ऋतु से संबंधित है।

<u>अनुमान और कल्पना</u>

उत्तर 1 – सुबह जागने के समय मुझे शांत प्रकृति, ठंडा हवा और गोल लाल सूर्य और पंछियों की आवाज़ बहुत अच्छा लगता है।

उत्तर 2- यदि हमें अपने छोटे भाई या बहन को उठाना पड़े तो हम उनको बहुत स्नेहपूर्वक उठाएँगे।

उत्तर 3- मुझे वर्षा ऋतु बहुत पसंद है। वर्षा ऋतु में वातावरण में आनंद छा जाता।मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षी भी झूम उठते हैं । कोयल का मधुर गीत और मयूर सुंदर नृत्य देखकर मन हर्ष से भर जाता है। बारिश की एक-एक बूँद मन और तन को पावन कर देती है।

उत्तर 4- (क) गाँव, गली या मुहल्ले में सुबह होते ही घरों के बाहर लोगों की आवाज़ सुनाई देने लगती हैं। बच्चों के स्कूल जाने की , गाड़ियों के चलने की भी आवाज़ सुनाई देती है। सुबह होते ही
सब अपने कामों मे व्यस्त हो जाते हैं।

(ख) रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर लोग गाड़ियों से चढ़ते-उतरते तथा अखबार खरीदते हुए दिखाई देते हैं।

(ग) नदी या समुद्र के किनारे वातावरण बहुत शांत होता है । ठंडी और ताज़ी हवा चलती है जो मन को सुकून देती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) पहाड़ों पर सुबह का दृश्य बहुत मनभावन होता है। सूरज पहाड़ों के पीछे से निकलता दिखाई देता है।पक्षियों की मधुर ध्वनी सुनाई देती हैं।

भाषा की बात

उत्तर 1- ग्वाला।

उत्तर 2-

विशेषण पुनरुक्ति	संज्ञा पुनरुक्ति
1. हम बाज़ार से ताजे-ताजे फूल लाए। 2. आज करन ने मीठे-मीठे सेब खिलाए।	1. शहर-शहर में उस कलाकार की धूम है। 2. आजकल गली-गली मंदिर बन रहे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in